

Court of at
Kind of the Case
Number of Case Year
Versus

Order with initials of Presiding Officer
Brief note of the

15/1/26 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता
अनु। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा दिनांक
11/9/25 न्यायालय आदेशिका अनुसार
पालना नहीं की जा रही है। इसके द्वारा केवल
न्यायालय समझ जामा किया जा रहा है।
पत्रावली के आदेशिका के अवलोकन
से पता कि प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा
काफी लंबे समय से न्यायालय के निर्देशों
की पालना नहीं की जा रही है। इसके द्वारा
केवल न्यायालय को गुमराह किया जा
रहा है। अतः प्रार्थी द्वारा पेश किया गया
प्रार्थना अपन पालना में खारिज किया
जाता है। पत्रावली फंसल शुमार होकर
याखिल पत्रार हो।

